Sharya Academy

हिंदी | कक्षा दसवीं

अपठित पद्यांश

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुती गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।

(i) गोपियाँ अपनी मन की व्यथा को क्यों नहीं कह पा रही हैं?
(क) गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रेम-विरह में इतनी व्याकुल हैं कि अपने मन की बात भी करना नहीं चाहती हैं।
(ख) गोपिकाओं को अब तक ऐसा कोई नहीं मिला, जिससे वे अपने मन की व्यथा कह सकें।
(ग) श्रीकृष्ण के वियोग में गोपिकाएँ तन-मन से बहुत व्यथित हैं।
(घ) दिए गए विकल्पों के सभी उत्तर गलत हैं।
उत्तर
(घ) दिए गए विकल्पों के सभी उत्तर गलत हैं।

(ii) गोपियों का धैर्य क्यों टूटने लगा?
(क) उन्हें विश्वास था कि श्रीकृष्ण उनसे मिलने ज़रूर आएँगे, लेकिन श्रीकृष्ण नहीं आए।
(ख) श्रीकृष्ण ने उद्धव को योग-साधना सिखाने के लिए गोपियों के पास भेजा।
(ग) दोनों विकल्प सही हैं।
(घ) दोनों विकल्प गलत हैं।
उत्तर
(ग) दोनों विकल्प सही हैं।

(iii) गोपियों के पास उद्धव किसका संदेश लेकर आए थे?
(क) मथुरा के राजा कंस का
(ख) गोकुल के सरपंच का
(ग) श्रीकृष्ण जी का
(घ) दिए गए विकल्पों का सभी उत्तर गलत है।
उत्तर
(ग) श्रीकृष्ण जी का

(iv) किस मर्यादा के उल्लंघन की बात गोपियाँ उद्धव से कह रही हैं?
(क) कृष्ण के द्वारा प्रेम की मर्यादा का
(ख) उद्धव के उपदेश देने की मर्यादा के बारे में
(ग) गोपियों के प्रेम की मर्यादा के बारे में
(घ) दिए गए विकल्पों के सभी उत्तर सही हैं।
उत्तर
(क) कृष्ण के द्वारा प्रेम की मर्यादा का

(v) 'बिरहिनि' का अर्थ है
(क) वियोग में जीने वाली महिला
(ख) गायिका
(ग) एक तरह का गीत
(घ) उपर्युक्त सभी
उत्तर
(क) वियोग में जीने वाली महिला